खास खबर

मुंबई में कंगना रनोट के खिलाफ एक और केस दर्ज

मुंबई, जेएनएन। एक्ट्रेस कंगना रनोट के खिलाफ एक और केस दर्ज कराया गया है। इस बार उन पर बॉलीवुड में हिंदू-मुस्लिम के नाम पर फूट डालने के आरोप लगे हैं। पिटीशनर साहिल अशरफ अली सैयद की अर्जी पर मुंबई के बांद्रा कोर्ट ने पुलिस को कंगना के खिलाफ केस दर्ज करने के आदेश दिए हैं। उनकी बहन रंगोली के खिलाफ भी केस दर्ज किया गया है। चार दिन पहले ही कंगना के खिलाफ तुमकुर (कर्नाटक) में एफआईआर हुई थी। उन पर किसानों का अपमान करने के आरोप लगे थे। साहिल अशरफ अली सैयद ने अपनी अर्जी में कहा है, कंगना रनोट पिछले कुछ महीनों से लगातार बॉलीवुड को नेपोटिज्म और फेवरेटिज्म का हब बताकर इसका अपमान कर रही हैं। उन्होंने बहुत ही आपत्तिजनक ट्वीट किए हैं, जो न सिर्फ धार्मिक भावनाओं को, बल्कि इंडस्ट्री के कई कलीग्स की भावनाओं को भी आहत करते हैं।

धरती के करीब से आज गुजरेगा ऐस्टरॉइड 2020 टीजी 6

वॉशिंगटन, जेएनएन। अमेरिका की स्पेस एजेंसी NASA (नैशनल ऐरोनॉटिकल ऐंड स्पेस ऐडमिनिस्ट्रेशन) ने इस बात की पुष्टि की है कि ऐस्टरॉइड 2020 TG 6 रविवार को धरती के पास से गुजरेगा। यह धरती और चांद के बीच दूरी से भी करीब से गुजरेगा। इसकी धरती से दूरी सिर्फ 85,519 मील होगी। अगर किसी तेज रफ्तार स्पेस ऑब्जेक्ट के धरती से 46.5 लाख मील से करीब आने की संभावना होती है तो उसे स्पेस ऑर्गनाइजेशन्स खतरनाक मानते हैं। NASA का Sentr 4 सिस्टम ऐसे खतरों पर पहले से ही नजर रखता है। इसमें आने वाले 100 सालों के लिए फिलहाल 22 ऐसे ऐस्टरॉइड्स हैं, जिनके पृथ्वी से टकराने की थोड़ी सी भी संभावना है। ऐस्टरॉइड 2020 TG 6 के धरती से टकराने की संभावना नहीं है। अगर इसकी धरती से टक्कर होती भी है तो इससे कोई नुकसान नहीं होगा। दरअसल, यह सिर्फ 9.5 मीटर का है। इतना छोटा ऐस्टरॉइड धरती के वायुमंडल में प्रवेश करने के साथ ही जलकर राख हो जाता है। यह फोटोग्राफर्स और ऐस्ट्रोनॉमर्स के लिए खूबसूरत नजारा हो सकता है। दरअसल, वायुमंडल से टकराने पर ये जलने लगते हैं।

3 तलाक के खिलाफ जंग लड़ने वाली सायरा बीजेपी में शामिल

नई दिल्ली, जेएनएन। तीन तलाक के खिलाफ जंग लड़ने वाली सायरा बानो ने भारतीय जनता पार्टी का दामन थाम लिया है। उत्तराखंड के ऊधमसिंह नगर जिले की रहने वाली सायरा बानो ने प्रदेश अध्यक्ष बंशीधर भगत की मौजूदगी में बीजेपी की सदस्यता ग्रहण की। सायरा बानो देश की पहली मुस्लिम महिला हैं, जिन्होंने तीन तलाक के खिलाफ कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। उन्होंने 23 फरवरी 2016 को सुप्रीम कोर्ट में तीन तलाक के खिलाफ याचिका दायर की थी। इस कानूनी लड़ाई में उन्हें जीत हासिल हुई थी। सायरा बानो ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर करके ट्रिपल तलाक के साथ ही निकाह हलाला के चलन की संवैधानिकता को चुनौती दी थी। याचिका में उन्होंने मुस्लिमों में प्रचलित बहुविवाह प्रथा को भी गलत करार देते हुए इसे खत्म करने की मांग उठाई थी। सायरा का तर्क रहा है कि तीन तलाक संविधान के अनुच्छेद 14 और 15 के तहत मिले मौलिक अधिकारों का उल्लंघन है। बीजेपी में शामिल होने पर सायरा बानो ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी और बीजेपी की नीतियों से प्रेरित होकर वो पार्टी में शामिल हुई हैं। वो महिलाओं को न्याय दिलाने के लिए संघर्ष करती रहेंगी। बता दें कि तीन तलाक के मुद्दे पर 22 अगस्त 2017 को सुप्रीम कोर्ट ने ऐतिहासिक फैसला सुनाया था।

महागठबंधन का संकल्प पत्र जारी, पूर्व डिप्टी सीएम व राजद नेता तेजस्वी बोले

10 लाख लोगों को देंगे रोजगार, कृषि कानूनों को बिहार में लागू नहीं होने देंगे

पटना, जेएनएन

राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता तेजस्वी यादव ने शनिवार को महागठबंधन का संकल्प पत्र जारी किया। कॉन्फ्रेंस में तेजस्वी ने कहा, आज बहुत ही खास दिन है। हम 10 लाख लोगों को रोजगार देंगे। यदि जनता मौका देती है तो पहली कैबिनेट में पहले दस्तखत नौकरियों को लेकर करेंगे। तेजस्वी ने यह भी कहा कि अगर वो सत्ता में आए तो केंद्र सरकार द्वारा हाल ही में लागू किए गए नए कृषि कानूनों को राज्य में लागू नहीं होने देंगे। इस मौके पर कांग्रेस नेता रणदीप सुरजेवाला, शक्ति सिंह गोहिल सहित अन्य नेता मौजूद रहे।

अभी बिहार में डबल इंजन की सरकार है

तेजस्वी ने कहा कि कलश स्थापना के साथ हमने संकल्प लिया। हमारा प्रण 'संकल्प बदलाव का' है। समान काम करने वालों को समान वेतन देंगे। हम पलायन को रोकेंगे। एयरपोर्ट से लेकर वर्ल्ड क्लास सुविधा देंगे। किसानों का कर्ज माफ करेंगे। हम बिजली की हर समस्या को दूर करेंगे। उन्होंने नीतीश कुमार पर आरोप लगाते हुए कहा कि बिहार में डबल इंजन की सरकार है।

मेरा काम सेवा का है, मेवा का नहीं

उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार पिछले 15 वर्षों से राज्य में शासन कर रहे हैं, लेकिन इसे अब तक विशेष राज्य की श्रेणी नहीं मिल पाई है। यहां डोनाल्ड ट्रंप आकर समझौते नहीं करेंगे। केंद्र ने आकर नहीं देखा कि बाढ़ से कितने लोग प्रभावित हुए, ऐसा लग रहा है कि बस कुर्सी पाने की होड़ में सब लोग लगे हुए हैं। लोग बड़ी-बड़ी बातें करते हैं कि मेरा काम सेवा का है, मेवा का नहीं है, लेकिन मेवा के लिए बिहार में 60 घोटाले हुए हैं।

भाजपा ने जारी की स्टार प्रचारकों की सूची

बिहार विधानसभा चुनाव 2020 में अब कुछ ही दिन शेष रह गए हैं। अधिकतर सभी पार्टियों ने अपने प्रत्याशी घोषित कर दिए हैं। बड़ी जीत हासिल करने के लिए भाजपा ने दूसरे चरण के लिए अपने स्टार प्रचारकों की ताजा सूची जारी कर दी है। इस बार के स्टार प्रचारकों की सूची में शाहनवाज हुसैन और राजीव प्रताप रूडी का नाम भी शामिल है, जिनका पहली सूची में नाम नहीं था। इनके साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह सहित लगभग सभी केंद्रीय मंत्री इस सूची में हैं।

जो पार्टियां जमीन हड़पती रही, आज किसानों की बात कर रही हैं

दूसरी ओर, बिहार के उपमुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी ने महागठबंधन पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि महागठबंधन ने आज जो घोषणा पत्र जारी किया है, उसमें जिंदगी भर जो पार्टियां जमीन हड़पती रही, वो आज किसानों की बात कर रही हैं, जो लोग पैसा लेकर नौकरी देते रहे, आज वो आसानी से नौकरी देने की बात कर रहे हैं। ये लोग केवल घोषणा कर सकते हैं, कुछ दे नहीं सकते।

बीजेपी और जेडीयू ने एलजेपी को ऑफर की थीं उचित सीटें

चिराग पर शाह ने तोड़ी चुप्पी

बिहार विधानसभा चुनाव 2020 लोक जनशक्ति पार्टी के एनडीए से अलग होकर चुनाव लड़ने पर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि चिराग हमारे साथ क्यों नहीं है, इसका जवाब तो वही दे सकते हैं। लेकिन मैं पहले रामविलास पासवानजी को श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। उन्होंने कहा कि हमारे साथी जाने का दुःख भी होता है और नुकसान भी, लेकिन जब आपके हाथ में बात न हो तो क्या किया जा सकता है। एक निजी चैनल को दिए इंटरव्यू में अमित शाह ने कहा कि जहां तक बीजेपी -जेडीयू -एलजेपी के गठबंधन का सवाल है, बीजेपी और जेडीयू दोनों की ओर से एलजेपी को उचित संख्या में बार-बार सीटों की पेशकश की गई। सीटों को लेकर कई बार बातचीत भी हुई। मैंने व्यक्तिगत रूप से कई बार चिराग से बात की, लेकिन बात नहीं बनी। सीटों को लेकर चिराग पासवान से वार्ता विफल होने के पीछे का कारण बताते हुए अमित शाह ने कहा, इस बार हमारे पास गठबंधन के नए सदस्य हैं, इसलिए प्रति पार्टी सीटों की संख्या नीचे जाने के लिए बाध्य थी। जेडीयू और भाजपा ने भी कुछ सीटें छोड़ दीं। लेकिन ऐसा एलजेपी के साथ नहीं हो सका।

वूमेन प्लस

हरियाणा में 14 चेयरमैन नियुक्त

बबीता फोगाट को महिला विकास निगम

चंडीगढ़, जेएनएन। हरियाणा सरकार ने विभिन्न बोर्डों और निगमों में 14 नए चेयरमैन और एक वाइस चेयरमैन की नियुक्ति की है। पूर्व ओलंपियन बबीता फोगाट को महिला विकास निगम का चेयरपर्सन बनाया गया है। हरियाणा सरकार ने विभिन्न बोर्डों और निगमों में 14 नए चेयरमैन और एक वाइस चेयरमैन की नियुक्ति की है। पूर्व ओलंपियन बबीता फोगाट को महिला विकास निगम का चेयरपर्सन बनाया गया है। नव-नियुक्त 14 चेयरमैन में पूर्व विधायक सुभाष बराला का भी नाम है। उन्हें हरियाणा सार्वजनिक उपक्रम ब्यूरो का चेयरमैन नियुक्त किया गया है। इसके अलावा होडल के विधायक जगदीश नैय्यर को हरियाणा भूमि सुधार एवं विकास निगम, बादशाहपुर के विधायक राकेश दौलताबाद को हरियाणा कृषि उद्योग निगम, बरवाला के विधायक जोगी राम सिहाग को आवास बोर्ड का चेयरमैन बनाया गया है। वहीं, शाहबाद के विधायक रामकरण को शुगरफैड, नरवाना के विधायक राम निवास को हरियाणा खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड का चेयरमैन नियुक्त किया गया है। इसके अलावा कैथल जिला के कैलाश भगत को हैफेड, करनाल जिला की निर्मल बैरागी को हरियाणा पिछड़ा वर्ग कल्याण निगम, यमुना नगर जिला के राम निवास गर्ग को हरियाणा व्यापारी कल्याण बोर्ड, रेवाड़ी जिला के अरविंद यादव को हरको बैंक, भिवानी जिला के मुकेश गौड़ को हरियाणा युवा आयोग दिया गया है।

सबिता 8 साल से दुल्हनों को मुफ्त में देती हैं वेडिंग ड्रेस

तिरुवनंतपुरम, जेएनएन। 41 वर्षीय ए के सबिता के पास एक 23 साल की लड़की का फोन आया। इस लड़की की कुछ ही दिनों बाद शादी होने वाली थी। ये लड़की पैसों की तंगी के चलते अपनी शादी के लिए कपड़े नहीं खरीद पा रही थी। वह सबिता के आठ साल पुराने बुटीक के बारे में जानती थी। इसलिए उसने सबिता को फोन लगाया। सबिता ने इस लड़की की मदद की। सबिता ने सोशल मीडिया पर इस पहल के प्रति जब लोगों को आगाह किया तो ऐसे कई लोग थे, जो उसकी मदद के लिए आगे आए। कई महिलाओं ने अपनी शादी की ड्रेस सबिता के इस नेक काम में डोनेट की। उनका कहना था कि वैसे भी ब्राइडल ड्रेस सिर्फ शादी वाले दिन ही पहनी जाती है। उसके बाद वह घर में रखी रहती है और यूं ही पुरानी हो जाती है। सबिता को इस बात की खुशी है कि उनके द्वारा शुरू किए गए इस नेक काम के लिए न सिर्फ मुंबई, एर्नाकुलम, कोची, दुबई बल्कि अन्य अमेरिकी देशों से भी महिलाओं ने अपनी वेडिंग ड्रेस भिजवाई। सबिता ने सभी ब्राइडल ड्रेस को संभालकर रखने और जरूरतमंद ब्राइड्स तक पहुंचाने के लिए केरल के कुन्नूर में अपने बुटिक की शुरुआत की। सबिता को कई महिलाओं ने इन ब्राइड्स की मदद के लिए फुटवियर्स, ज्वेलरी, बेडशीट्स और मेकअप सेट्स भी दिए। फिलहाल सबिता ने अपने आउटलेट्स तिरुवनंतपुरम, कोल्लम, एर्नाकुलम, कासरगोद, कोजिकोड़ में भी खोले हैं।

कोरोना : 25 राज्य-केंद्र शासित प्रदेशों में कम हो रहे एक्टिव केस

नई दिल्ली, जेएनएन। देश में अभी तेजी से एक्टिव केस की संख्या कम हो रही है। 25 राज्य और केंद्र शासित राज्यों में एक्टिव केस घट रहे हैं, जबकि 10 राज्य और कुछ केंद्र शासित राज्य ऐसे हैं, जहां अभी भी एक्टिव केस बढ़ रहे हैं। इनमें अरुणाचल प्रदेश, छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, केरल, मणिपुर, मेघालय, नगालैंड और पश्चिम बंगाल शामिल हैं। हालांकि, इन राज्यों में भी केस बढ़ने की रफ्तार पहले की अपेक्षा काफी कम है। आंकड़ों पर नजर डालें तो मौजूदा समय कुल एक्टिव केस का 78.45 प्रतिशत हिस्सा और अब तक जान गंवाने वाले 75.93 प्रतिशत मरीज देश के 10 राज्यों से हैं।

महाराष्ट्र सरकार ने दशहरा से जिम और फिटनेस सेंटर को फिर से खोलने की मंजूरी दे दी है। मार्च से ही कोरोना संकट को देखते हुए इसे बंद कर दिया गया था। शनिवार से मुंबई में 7 महीने बाद फिर से मेट्रो ट्रेन शुरू हुई। मिजोरम में शनिवार को संक्रमण का कोई नया मामला नहीं सामने आया।

टेस्टिंग का आंकड़ा 9.3 करोड़ के पार

देश में कोरोना मरीजों की संख्या 74 लाख 91 हजार 974 हो गई है। इनमें से 65 लाख 93 हजार 809 लोग ठीक हो चुके हैं, जबकि 7 लाख 95 हजार 299 मरीजों का अभी इलाज चल रहा है। संक्रमण के चलते अब तक 1 लाख 14 हजार 62 मरीजों की मौत हो चुकी है। वहीं शनिवार 1 हजार 025 की एक दिन में मौत हुई। टेस्टिंग का आंकड़ा 9.3 करोड़ से अधिक हो चुका है।

पैगंबर मोहम्मद के कार्टून विवाद में टीचर की हत्या

पेरिस, जेएनएन। पेरिस में एक शख्स ने एक टीचर का सिर इसलिए काट दिया, क्योंकि उसने पैगंबर मोहम्मद का कार्टून अपने छात्रों को दिखाया था। बताया जा रहा है कि इसके बाद यह शख्स नारे लगाने लगा। मौके पर पहुंची पुलिस को उसने बंदूक दिखाई और डराने की कोशिश की। हालांकि बाद में पुलिस ने उसे गोली मार दी। एक समाचार एजेंसी के मुताबिक इतिहास के टीचर ने अपने छात्रों को पैगंबर मोहम्मद का कार्टून दिखाया था। इससे वह शख्स नाराज था। कार्टून दिखाने से नाराज शख्स टीचर के पास चाकू लेकर पहुंचा और उनका सिर काट दिया। घटना की जानकारी मिलने पर जब पुलिस मौके पर पहुंची तो आरोपी वहीं मौजूद था। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने पेरिस के उत्तर-पश्चिमी उपनगर में एक शिक्षक का सिर काटे जाने की घटना की निंदा की है। उन्होंने चरमपंथियों से निपटने के लिए त्वरित और ठोस कार्रवाई किए जाने का वादा किया। राष्ट्रपति ने हमले के कुछ घंटों बाद कॉन्फ्लैन्स-सौं-होनोरी मिडल स्कूल का दौरा किया। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि संदिग्ध उस घटना स्थल से लगभग 600 मीटर (गज) की दूरी पर मारा गया, जहां टीचर की उसने हत्या की थी।

छत्तीसगढ़ में जोगी की जाति पर विवाद

अमित जोगी और उनकी पत्नी का नामांकन रद्द

रायपुर, जेएनएन। छत्तीसगढ़ के राजनीतिक इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ है जब जोगी परिवार मरवाही चुनाव से बाहर हो गया है। जाति का विवाद कांग्रेस अध्यक्ष अमित जोगी और उनकी पत्नी ऋचा जोगी के लिए बड़ा झटका साबित हुआ। शनिवार को जाति प्रमाण पत्र खारिज होने के चलते चुनाव अधिकारी ने दोनों के नामांकन रद्द कर दिए। राज्य स्तरीय उच्च जांच कमेटी ने अमित का जाति प्रमाण पत्र रद्द कर दिया था।

जिला चुनाव ऑफिस में शनिवार को नामांकन पत्रों की जांच पूरी हो गई। हाईपावर कमेटी ने चुनाव ऑफिस को अमित जोगी का जाति प्रमाण पत्र रद्द किए जाने का लेटर भेजा और उन्हें कंवर जाति का नहीं माना। यह आदेश एक दिन पहले 16 अक्टूबर को ही जारी किया गया। कमेटी इससे पहले अमित जोगी के पिता और पूर्व मुख्यमंत्री अजीत जोगी का जाति प्रमाण पत्र भी रद्द कर चुकी है। अमित की जाति को लेकर एक घंटे बहस के बाद चुनाव अधिकारी ने उनका नामांकन खारिज कर दिया। इसके बाद ऋचा जोगी के नामांकन को लेकर भी विवाद होता रहा। आखिरकार चुनाव अधिकारी ने ऋचा के नामांकन को भी कानूनी तौर पर सही नहीं माना और उसे भी खारिज करने के आदेश जारी कर दिए। छत्तीसगढ़ बनने के बाद पहली बार ऐसा हुआ है, जब पूरा जोगी परिवार मरवाही चुनाव से बाहर है।

टीआरपी रैकेट की जांच कर रहे डीसीपी सहित 18 के तबादले

मुंबई, जेएनएन। महाराष्ट्र की सरकार ने मुंबई पुलिस के 18 डिप्टी कमिश्नरों का तबादला कर दिया है। तबादला महानगर के भीतर ही किया गया है। इनमें एक अधिकारी वो भी शामिल हैं, जो टेलीविजन समाचार चैनलों से जुड़े नकली टीआरपी रैकेट की जांच कर रहे थे। डीसीपी नंदकुमार ठाकुर, जो टीआरपी मामले की जांच कर रहे थे, उन्हें डीसीपी (यातायात) के रूप में ट्रांसफर किया गया है। वहीं, शशिकुमार मीणा को डीसीपी जोन एक, दत्ता नालावडे को डीसीपी एंटी-नारकोटिक्स सेल, विजय पाटिल को डीसीपी जोन चार, कृष्णकांत उपाध्याय को जोन छह और एमसीवी महेश रेड्डी को जोन में ट्रांसफर किया गया है। आदेश में कहा गया है कि एस चैतन्य ऑपरेशंस के डीसीपी होंगे, राजू भुजबल प्रवर्तन विभाग के डीसीपी के रूप में कार्यभार संभालेंगे, योगेश कुमार गुप्ता को डीसीपी ट्रैफिक बनाया गया है। वहीं, संजय पाटिल डीसीपी मुख्यालय -2 और एस टी राठौड़ एसबी -1 के एसीपी होंगे।

लद्दाख में जवानों के लिए अमेरिका और यूरोप से खरीदे जा रहे हैं सर्दी के कपड़े

ठंड में भी एलएसी पर तनाव कम होने के आसार नहीं

नई दिल्ली, जेएनएन। पूर्वी लद्दाख में एलएसी पर चीन के साथ तनाव के बीच वहां बड़ी संख्या में जवानों की तैनाती करनी पड़ी है। ऐसे में भारत अपने जवानों को जमा देने वाली सर्दी से बचाने के लिए अमेरिका और यूरोप के देशों से गर्म कपड़ों की खरीदारी कर रहा है। दरअसल, अभी एलएसी पर तनाव कम होने के आसार नहीं हैं। वहीं, सर्दी में लद्दाख के पैंगोंग झील और अन्य इलाकों में माइनस 25 डिग्री से भी नीचे तापमान चला जाता है। भारतीय जवान पैंगोंग झील के दक्षिण भाग में 13 अहम चोटियों पर तैनात हैं। ठंड के मौसम में लद्दाख में तैनात जवानों की परेशानी को कम करने के लिए भारत जवानों के लिए

यह कपड़े खरीद रहे हैं। यह खरीद तत्काल प्रभाव से की जा रही है। साथ ही भारतीय वायुसेना के परिवहन विमान जरूरी आपूर्ति के लिए लेह एयरबेस पर लगातार उड़ान भर रहे हैं। भारत और अमेरिका के बीच लॉजिस्टिक एक्सचेंज मेमोरेंडम समझौते के तहत यह जरूरी सामान खरीदे जा रहे हैं।

नहीं बन रही सहमति

एलएसी पर तनाव कम करने हाल ही में भारत और चीन के बीच सात बार बातचीत हो चुकी है। बातचीत का दौर अब भी चल रहा है। दोनों देशों के बीच कुछ मुद्दों पर सहमति भी बनी है, लेकिन चीन अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहा है। चीन ने भी सर्दियों को ध्यान में रखते हुए अपनी तैयारी तेज कर दी है। चीन ने वहां स्पेशल टेंट लगाए हैं। बताया जा रहा कि इन टेंट्स को मुख्यतौर पर सूखे और कम ऑक्सीजन वाले इलाकों में लगाया गया है। इसका मतलब यह है कि एलएसी पर तनाव कम होने के फिलहाल आसार नहीं हैं।

न्यूजीलैंड में 24 साल बाद किसी एक पार्टी को बहुमत

वेलिंगटन, जेएनएन। न्यूजीलैंड में 24 साल बाद किसी एक पार्टी को अकेले बहुमत हासिल हुआ है। प्रधानमंत्री जेसिंडा आर्डर्न की लेबर पार्टी ने तमाम अनुमानों को कमतर साबित करते हुए बड़ी जीत दर्ज की। शनिवार को यहां वोटिंग हुई। वोटिंग खत्म होने के सिर्फ 90 मिनट बाद काउंटिंग शुरू हुई।

तृतीय पुण्यतिथि
प्रति दिन स्मरण करते हैं आपको,
श्रद्धा सुमन अर्पित करते हैं आपको।
अमिट यादों के साथ अश्रुपूरित श्रद्धांजलि
श्रद्धानवत: युवराज सिंह निगम (पति), अनुकृति निगम (पुत्री)
स्व. सिरताज सिंह निगम - स्व. शारदा देवी निगम (पुत्र-पुत्रवधु)
एवं समस्त निगम परिवार बड़ा एवं छोटा रावला, तह. तराना जिला उज्जैन
एमपीएसी क्वार्टर्स, बैरागढ़ भोपाल एवं
फर्म - प्रॉम्ट मैनेजमेंट एवं प्लेसमेंट एकेडमी
स्व. श्रीमती अल्कादेवी निगम
देवलोक प्रस्थान दिनांक 17.10.2017

दैनिक जागरण Doctor's Helpline
डॉक्टर्स हेल्पलाईन में विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 9300423100
दैनिक जागरण द्वारा अपने पाठकों के लिए जनहित में प्रकाशित

NATURE HOSPITAL & TRAUMA CENTER
पता- 41, मोतिया तालाब, नियर जीपीओ, भोपाल फोन : 0755-4912121, 23
डॉ. पुष्पराज सिंह ठाकुर एमबीबीएस, एमएस फ्रैक्चर हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ
• फ्रैक्चर • जोड़ों का दर्द • घुटनों का दर्द, • कमर दर्द • साइटिका • मांसपेशियों का दर्द • स्पॉन्डिलायटिस • ट्रॉमा एवं इमरजेंसी
डॉ. संजय श्रीवास्तव एमबीबीएस, पीजीडीप्लोमा नशा मुक्ति एवं मानसिक सलाहकार
• फैमिली फिजिशियन • मधुमेह (डायबिटीज) • ब्लड प्रेशर • थायरॉइड • अस्थमा • टीबी • नशा संबंधी • मानसिक समस्या
परामर्श अपाइंटमेंट द्वारा मो- 7000993286
प्रथम परामर्श निःशुल्क
परामर्श अपाइंटमेंट द्वारा मो- 9893030901

म.प्र. का सर्वश्रेष्ठ नशा मुक्ति केन्द्र
शुद्धि नशा मुक्ति एवं पुर्नवास केन्द्र
नशा पीड़ित को घर से लेने की सुविधा उपलब्ध है
जनरल, प्राइवेट एवं डीलक्स वार्ड के साथ पर्सनल रूम भी उपलब्ध है
नशे से छुटकारा संभव है।
विश्वस्तरीय नशामुक्ति कार्यक्रम
पता : प्लाट नंबर 9, सर्वधर्म पुल के पास, ए सेक्टर कोलार रोड, भोपाल
आर एम एल नर्सिंग कॉलेज, कालखेड़ा रोड, नीलबड़, भोपाल
www.shuddhinashamuktikendra.com
Helpline : 9981665001, 9479665001

संयुक्त राष्ट्र ने जारी की रिपोर्ट, रोज अपनी कमाई का 3.5 प्रतिशत खाने पर खर्च करते हैं भारतीय

भारतीय खान-पान के बेहद शौकीन, खर्च करने में भी न्यूयॉर्क से आगे

नई दिल्ली, जेएनएन। भारतीय खाने-पीने के मामले में बेहद शौकीन होते हैं। भारतीयों के खाने-पीने पर खर्च की तुलना न्यूयॉर्क से करने पर हैरान करने वाले परिणाम सामने आए हैं। जहां औसतन भारतीय हर दिन अपनी दैनिक आय का 3.5 प्रतिशत खाने की थाली पर खर्च करते हैं। वहीं न्यूयॉर्क के नागरिक औसतन अपनी दैनिक आय का 0.6 प्रतिशत ही खाने की थाली पर खर्च करते हैं, जो भारतीय की तुलना में बेहद कम है। संयुक्त राष्ट्र (यूएन) के वर्ल्ड फूड प्रोग्राम (डब्ल्यूएफपी) द्वारा जारी रिपोर्ट में यह दावा किया गया है।

भोजन की सबसे मंहगी थाली दक्षिणी सूडान की

रिपोर्ट के अनुसार, भोजन की सबसे मंहगी थाली दक्षिणी सूडान की है, जहां लोगों को औसतन अपनी दैनिक आय का 186 प्रतिशत जरूरी सामग्री पर खर्च करना होता है। खाने पर खर्च को लेकर दुनिया के 36 देशों की सूची में भारत 28वें स्थान पर है। रिपोर्ट में कहा गया कि भारतीय हर दिन भोजन की थाली पर अपनी दैनिक आय का 3.5 प्रतिशत खर्च करते हैं। वहीं न्यूयॉर्क के नागरिक हर दिन अपनी भोजन की थाली पर अपनी दैनिक आय का 0.6 प्रतिशत ही खर्च करते हैं।

जहां आजीविका खेती पर निर्भर, वहां ज्यादा दिक्कतें

जिन देशों में लोगों की आजीविका खेती पर निर्भर है, वहां जलवायु परिवर्तन के चलते उपज कम हो रही है। वहीं ये लोग परिवार को खिलाने के लिए अनाज व अन्य खाद्य सामग्री खरीदने में असमर्थ होते हैं। अब वैश्विक महामारी कोरोना वायरस कम आय वाले श्रमिकों के सामने नई चुनौतियां दी हैं।

यहां ज्यादातर खाद्य सामग्री होती है आयात

रिपोर्ट में सामने आया कि उप-सहारा अफ्रीका के देश इस क्षेत्र में शीर्ष 20 में से 17वें स्थान पर हैं। इसमें कहा गया कि इन देशों में ज्यादातर खाद्य सामग्री बाहर से आयात की जाती है, जो आर्थिक रूप से विश्व में इन देशों को कमजोर बनाती है। इसके चलते इन देशों में भुखमरी जैसी समस्याएं बढ़ रही हैं। श्रमिकों के लिए दो वक्त का भोजन जुटाना भी मुश्किल हो जाता है।

जलवायु परिवर्तन ने बढ़ाई मुश्किलें

रिपोर्ट में कहा गया है कि विकासशील और विकसित देशों में रहने वाले लोगों की दैनिक आय का भोजन पर खर्च करने को लेकर भारी असमानताएं हैं। विकासशील देशों के नागरिकों को विकसित देशों की अपेक्षा भोजन के लिए अधिक श्रम करना पड़ता है। इसके अलावा जलवायु परिवर्तन ने कई देशों में लोगों का भोजन के प्रति संघर्ष और बढ़ा दिया है।